गाइये गणपति जगवंदन

गाइये गणपति जगवंदन |
शंकर सुवन भवानी के नंदन ॥

सिद्धि सदन गजवदन विनायक |
कृपा सिंधु सुंदर सब लायक ॥

मोदक प्रिय मुद मंगल दाता |
विद्या बारिधि बुद्धि विधाता ॥

मांगत तुलसीदास कर जोरे |
बसहिं रामसिय मानस मोरे ॥

https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/27/title/gaaiye-ganpati-jagvandan

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |